SHRI BRAJAMOHAN MOHANTY : The hon. Member came out of the seat making a submission and you have heard him. Why not you hear me ?

MR. SPEAKER : I could not hear him. He did not mean any offence. He is very well behaved. I can vouch for him. He never makes any *Halla gulla*.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I cannot allow. Secondly, debate on Home Ministry's Demands is going on.... Nothing doing.

Shri Satish Agarwal.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Not allowed....

(*Interruptions*)

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

Forty-first Report

SHRI SATISH AGARWAL (Jaipur) : Sir, I beg to present the Hundred and Forty-first Report (Hindi and English versions) of the Public Accounts Committee on Planning Process and monitoring mechanism with reference to irrigation projects.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please don't disturb the proceedings.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South) : You allowed him to submit....

MR. SPEAKER : No submission now.

SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South) : In spite of the Home Minister's statement the House is entitled to know and draw inference about this RAW. There is an internal power struggle going on and because of that....

MR. SPEAKER : Nothing. Calling Attention—Shri B.D. Singh.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : मुझे तो आपने सुना ही नहीं, अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष महोदय : क्या कहते हैं आप ?

(व्यवधान)

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष जी, मेरा भी एक काम रोको प्रस्ताव था। इस राष्ट्र की अखण्डता को तोड़ने की बात पंजाब में हो रही है। कल खालिस्तान की बात कर रहे थे। ये लोग और यह सरकार दब्बू है। आज भी वहाँ पर मन्दिर, मस्जिद और गुरुद्वारों में मुजरिम पनाह पा रहे हैं। ये सब दब्बू बने हुए यहाँ पर बैठे हैं... **(व्यवधान)**

MR. SPEAKER : Not allowed.

(*Interruptions*)

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : हमारी बात नहीं सुनी गई।

अध्यक्ष महोदय : मैंने किसी की बात नहीं सुनी। नॉट एलाउड।

(व्यवधान)

श्री हरिकेश बहादुर : हमारे ऊपर चार्ज है कि हम लोग वहां जा कर गड़बड़ कर रहे हैं। हमारी बात को आपको सुनना चाहिए। अगर आपने बागड़ी जी को एलाउ किया है, तो हमारी बात आपको सुननी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : मैंने किसी की बात को एलाउ नहीं किया है।

श्री हरिकेश बहादुर : हमने ब्रीच-आफ-प्रिवलेज दिया है, होम मिनिस्टर के खिलाफ।

अध्यक्ष महोदय : हां, मैं देख रहा हूं।

श्री हरिकेश बहादुर : उन्होंने कहा था—